ओमशान्ति मधुबन 4.5.09

प्राण अव्यक्त बापदादा का मधुर सन्देश - गुल्जार दादी जी

आज आप सबका यादप्यार लेते हुए बापदादा के पास पहुँच गई और जाते ही सामने से बापदादा की मीठी दृष्टि और मधुर मुस्कान देख हर्षित हो रही थी। दूर से ही मिलन मनाते सन्मुख पहुँच गई। बापदादा ने अपनी अमूल्य बाँहों के झूले में समा दिया। कुछ समय बाद बाबा बोले आओ बच्ची, आज क्या समाचार लाई हो? मैं बोली बाबा आज विशेष सेवा का समाचार लाई हूँ। आपने जो प्लान दिया है कि एक समय पर सब स्थानों पर एक ही प्रोग्राम हो उस पर बड़ी मीटिंग में सबने बहुत उमंग उत्साह से डिटेल में डेट और विस्तार में प्रोग्राम फिक्स किया है। अब चारों ओर की सरकमस्टांश प्रमाण आपसे विशेष ब्लैसिंग चाहते हैं,जिससे कार्य को बढ़ाते सफल करना है। बाबा मुस्कराते बोले बच्ची, जहाँ सब बच्चों को उमंग उत्साह है तो सफलता तो बच्चों का जन्म सिद्ध अधिकार है। उसके लिए हर ज़ोन में भी समय प्रति समय मीटिंग करते सबकी एक मत एकरस स्थिति द्वारा कार्य को आगे बढ़ाते रहो तो प्रोग्राम की प्रोग्रेस होती रहेगी।

बापदादा बच्चों की हिम्मत उत्साह पर खुश है और रोज बच्चों को मुबारक देते वाह! मेरे विधि से सिद्धि प्राप्त करने वाले बच्चे वाह! बापदादा खुश है कि बच्चों के दिल में दुखी आत्माओं पर रहम करने के, सन्देश देने के उमंग अच्छे हैं। अब इस कार्य को आगे बढ़ाने लिए ऐसी एक छोटी मुख्य सेवाधारी बच्चों की कमेटी बनानी आवश्यक है जो समय प्रति समय चारों ओर का समाचार लेते रहे और कोई भी बात की राय पूछनी हो तो पूछ सकते हैं। बाकी पेट्रन्स बनाने की कमेटी आपस में राय करे। बापदादा तो जानते हैं कि मेरे निमित्त बेहद के सेवाधारी बच्चों के जो भी प्लान प्रोग्राम के संकल्प उत्पन्न हुए हैं वो प्रैक्टिकल में आने ही है। विधिपूर्वक सेवा की सिद्धि होती ही है। जो अनेक दु:खी आत्माओं को सुख की राह दिखायेंगे। ऐसे कहते जैसे बापदादा के सामने विशेष निमित्त बच्चे इमर्ज थे। और बापदादा सबको बहुत शक्तिशाली स्नेहभरी दृष्टि दे रहे थे। कुछ समय बाद बापदादा जैसे बच्चों की सेवा के सफलता रूप को देख खुश हो रहे थे। उसके बाद बाबा बोले बच्ची, चारों ओर के ऐसे मेरे सहयोगी सफलता मूर्त बच्चों को नाम और विशेषता सम्पन्न यादप्यार देना। ऐसे मिलन मनाए मैं भी साकार वतन पहुँच गई। ओमशान्ति।